WRAP Exams · wrapexams.com

Prelims PYQ, Mains model answers, and copy evaluation. Write to the desk for this paper, a doubt, or the AI waitlist.

ask@wrapexams.com · +91 85951 84903 · wrapexams.com

Official question paper

This file is the official paper. WRAP Exams also publishes a compiled questions PDF for the same year: each question has a Solution link, and the last pages are a designed compiled answer key.

Answer key at the end of this PDF

Attempt the paper first. After the last question, this pack closes with a compiled answer key: official letters in boxed exam order, then a question-wise list with Solution links to WRAP Exams.

wrapexams.com

WRAP Exams · Write. Read. Analyse. Practice. · https://wrapexams.com/ · ask@wrapexams.com · wrapexams.com

WRAP Exams

सामान्य अध्ययन / GENERAL STUDIES

प्रश्न-पत्र IV / Paper IV

निर्धारित समय : तीन घंटे Time Allowed : Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए ।

प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. (a) प्रशासनिक तर्कसंगत निर्णय लेने के लिए इनपुट के एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का अनुप्रयोग एक बहस का मुद्दा है। नैतिक दृष्टिकोण से इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The application of Artificial Intelligence as a dependable source of input for administrative rational decision-making is a debatable issue. Critically examine the statement from the ethical point of view. *10*

(Answer in 150 words)

(b) "नैतिकता में कई प्रमुख आयाम शामिल हैं जो व्यक्तियों और संगठनों को नैतिक रूप से ज़िम्मेदार व्यवहार की दिशा में मार्गदर्शन करने में महत्त्वपूर्ण हैं।"

मानवीय कार्यों को प्रभावित करने वाले नैतिकता के प्रमुख आयामों की व्याख्या कीजिए।

चर्चा कीजिए कि ये आयाम पेशेवर संदर्भ में नैतिक निर्णय लेने को कैसे आकार देते हैं।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Ethics encompasses several key dimensions that are crucial in guiding individuals and organizations towards morally responsible behaviour."

Explain the key dimensions of ethics that influence human actions.

Discuss how these dimensions shape ethical decision-making in the professional context. *10*

(Answer in 150 words)

Q2. (a) "शांति के बारे में केवल बात करना ही पर्याप्त नहीं है, इस पर विश्वास करना चाहिए; और इस पर केवल विश्वास करना ही पर्याप्त नहीं है, इस पर कार्य करना चाहिए।" वर्तमान संदर्भ में, विकसित देशों के प्रमुख हथियार उद्योग, दुनिया भर में अपने स्वार्थ के लिए कई युद्धों की निरंतरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। आज के अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में निरंतर चल रहे संघर्षों को रोकने के लिए शक्तिशाली राष्ट्रों के नैतिक विचार क्या हैं?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"It is not enough to talk about peace, one must believe in it; and it is not enough to believe in it, one must act upon it." In the present context, the major weapon industries of the developed nations are adversely influencing continuation of number of wars for their own self-interest, all around the world. What are the ethical considerations of the powerful nations in today's international arena to stop continuation of ongoing conflicts? *10*

(Answer in 150 words)

WRAP Exams

(b) ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन विकास के नाम पर मानव के लालच का परिणाम है, जो इस ओर संकेत करता है कि मानव सहित सभी जीवों का विलुप्त होना पृथ्वी पर जीवन की समाप्ति की ओर अग्रसर है। जीवन की रक्षा के लिए और समाज तथा पर्यावरण के बीच संतुलन लाने के लिए आप इसे कैसे समाप्त करेंगे ?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Global warming and climate change are the outcomes of human greed in the name of development, indicating the direction in which extinction of organisms including human beings is heading towards loss of life on Earth. How do you put an end to this to protect life and bring equilibrium between the society and the environment ? *10*

(Answer in 150 words)

Q3. महान विचारकों के तीन उद्धरण नीचे दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में, प्रत्येक उद्धरण आपको क्या संप्रेषित करता है ?

Given below are three quotations of great thinkers. What do each of these quotations convey to you in the present context ?

(a) "दूसरों से जो भी अच्छा है, उसे सीखो, लेकिन उसे अपने अन्दर लाओ, और अपने तरीके से उसे आत्मसात करो, दूसरों जैसा मत बनो।" — स्वामी विवेकानन्द

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Learn everything that is good from others, but bring it in, and in your own way absorb it, do not become others." — Swami Vivekananda *10*

(Answer in 150 words)

(b) "शक्ति के अभाव में विश्वास का कोई लाभ नहीं है। किसी भी महान कार्य को पूरा करने के लिए विश्वास और शक्ति दोनों ही आवश्यक हैं।" — सरदार पटेल

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Faith is of no avail in the absence of strength. Faith and strength, both are essential to accomplish any great work." — Sardar Patel *10*

(Answer in 150 words)

(c) "कानून के अनुसार, यदि मनुष्य दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन करता है तो वह दोषी है। नीतिशास्त्र के अनुसार, यदि वह केवल ऐसा करने के बारे में सोचता है तो वह दोषी है।" — इमैनुएल कांट

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"In law, a man is guilty when he violates the rights of others. In ethics, he is guilty if he only thinks of doing so." — Immanuel Kant *10*

(Answer in 150 words)

WRAP Exams

Q4. (a) "न्यायपूर्ण और अन्यायपूर्ण की अवधारणा प्रासंगिक है। एक साल पहले जो न्यायपूर्ण था, आज के संदर्भ में वह अन्यायपूर्ण हो सकता है। न्याय-हत्या को रोकने के लिए बदलते संदर्भ पर लगातार नज़र रखी जानी चाहिए।"
उपर्युक्त कथन का समुचित उदाहरणों सहित परीक्षण कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The concept of Just and Unjust is contextual. What was just a year back, may turn out to be unjust in today's context. Changing context should be constantly under scrutiny to prevent miscarriage of justice."
Examine the above statement with suitable examples. *10*

(Answer in 150 words)

(b) "मामले के सार को नज़रअंदाज़ करके रूप के प्रति अविवेकी आसक्ति का परिणाम अन्याय होता है। एक समझदार सिविल सेवक वह है जो ऐसी शाब्दिकता को नज़रअंदाज़ करता है और सच्चे इरादे से काम करता है।"
उपर्युक्त कथन का समुचित उदाहरणों सहित परीक्षण कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Mindless addiction to Form, ignoring the Substance of the matter, results in rendering of injustice. A perceptive civil servant is one who ignores such literalness and carries out true intent."
Examine the above statement with suitable illustrations. *10*

(Answer in 150 words)

Q5. (a) *'आचार संहिता'* और *'नैतिक संहिता'* लोक प्रशासन में मार्गदर्शन के स्रोत हैं। आचार संहिता पहले से ही क्रियान्वित है जबकि नैतिक संहिता अभी तक लागू होना बाकी है। शासन में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक उपयुक्त आदर्श नैतिक संहिता का सुझाव दीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The *'Code of Conduct'* and *'Code of Ethics'* are the sources of guidance in public administration. There is code of conduct already in operation, whereas code of ethics is not yet put in place. Suggest a suitable model for code of ethics to maintain integrity, probity and transparency in governance. *10*

(Answer in 150 words)

(b) नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की आत्मा भारतीय संस्कृति और लोकाचार पर आधारित न्याय, समानता और निष्पक्षता है। वर्तमान न्यायिक प्रणाली में दंड के सिद्धांत से न्याय की ओर बड़े बदलाव के आलोक में इस पर चर्चा कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The soul of the new law, Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) is Justice, Equality and Impartiality based on Indian culture and ethos. Discuss this in the light of major shift from a doctrine of punishment to justice in the present judicial system. *10*

(Answer in 150 words)

WRAP Exams

Q6. (a) "भारतीय संस्कृति और मूल्य प्रणाली में लैंगिक अस्मिता के बावजूद समान अवसर प्रदान किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों से सार्वजनिक सेवाओं में महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।" महिला लोक सेवकों के सामने आने वाली लैंगिक-विशिष्ट चुनौतियों का परीक्षण कीजिए और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी दक्षता बढ़ाने और ईमानदारी के उच्च मानक को बनाए रखने के लिए उपयुक्त उपाय सुझाइए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"In Indian culture and value system, an equal opportunity has been provided irrespective of gender identity. The number of women in public service has been steadily increasing over the years." Examine the gender-specific challenges faced by female public servants and suggest suitable measures to increase their efficiency in discharging their duties and maintaining high standards of probity. *10*

(Answer in 150 words)

(b) मिशन कर्मयोगी का लक्ष्य नागरिकों की सेवा करने की कुशलता सुनिश्चित करना और बदले में खुद का विकास करने के लिए आचरण और व्यवहार का एक बहुत ही उच्च मानक बनाए रखना है। यह योजना कैसे सिविल सेवकों को उत्पादक दक्षता बढ़ाने और जमीनी स्तर पर सेवाएँ प्रदान करने में सशक्त बनाएगी ?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Mission Karmayogi is aiming for maintaining a very high standard of conduct and behaviour to ensure efficiency for serving citizens and in turn developing oneself. How will this scheme empower the civil servants in enhancing productive efficiency and delivering the services at the grassroots level ? *10*

(Answer in 150 words)

खण्ड B
SECTION B

Q7. एबीसी इनकॉर्पोरेटेड नाम की एक तकनीकी कंपनी है जो तीसरी दुनिया में स्थित, संसार की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। आप इस कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और बहुसंख्यक शेयरधारक हैं। तेजी से हो रहे तकनीकी सुधारों ने इस परिदृश्य की स्थिरता पर पर्यावरण कार्यकर्ताओं, नियामक प्राधिकरणों और आमजन के बीच चिंता बढ़ा दी है। आप व्यवसाय के पर्यावरणीय पदचिह्न के बारे में महत्त्वपूर्ण मुद्दों का सामना करते हैं। 2023 में, आपके संगठन में 2019 में दर्ज स्तरों की तुलना में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 48% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऊर्जा खपत में उल्लेखनीय वृद्धि मुख्य रूप से आपके डेटा केन्द्रों की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकता के कारण है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के तेज विस्तार से प्रेरित है। AI-संचालित सेवाओं को उनके उल्लेखनीय लाभ के बावजूद पारंपरिक ऑनलाइन गतिविधियों की तुलना में बहुत अधिक संगणनात्मक संसाधनों और विद्युत् ऊर्जा की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी के प्रसार से पर्यावरणीय प्रभावों पर चिंता बढ़ गई है, इसके फलस्वरूप चेतावनियाँ भी बढ़ गई हैं। AI मॉडल, विशेष रूप से व्यापक मशीन लर्निंग और डेटा प्रोसेसिंग के उपयोग किए जाने वाले, पारंपरिक कम्प्यूटर कार्यों की तुलना में बहुत अधिक ऊर्जा खपत करते हैं, जिसमें अत्यधिक तेजी से वृद्धि होती है।

यद्यपि, 2030 तक नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने की प्रतिबद्धता और लक्ष्य पहले से ही है, उत्सर्जन कम करने की चुनौती भारी लगती है क्योंकि AI का एकीकरण जारी है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में पर्याप्त निवेश आवश्यक होगा। प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रतिस्पर्धी माहौल से कठिनाई और बढ़ गई है, जहाँ बाज़ार की स्थिति और शेयरधारक के मूल्य को बनाए रखने के लिए तेजी से नवाचार आवश्यक है। नवाचार, लाभप्रदता और धारणीयता के बीच संतुलन हासिल करने के लिए, एक रणनीतिक कदम आवश्यक है जो व्यावसायिक उद्देश्यों और नैतिक दायित्वों, दोनों के अनुरूप हो।

(a) उपर्युक्त मामले में उत्पन्न चुनौतियों पर आपकी तत्काल प्रतिक्रिया क्या है ?

(b) उपर्युक्त मामले में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(c) आपकी कंपनी को तकनीकी दिग्गजों द्वारा दंडित किए जाने के लिए चिह्नित किया गया है। इसकी आवश्यकता को समझाने के लिए आप क्या तार्किक और नैतिक तर्क देंगे ?

(d) एक विवेकशील व्यक्ति होने के नाते, आप AI नवाचार और पर्यावरणीय पदचिह्न के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए क्या उपाय अपनाएँगे ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

There is a technological company named ABC Incorporated which is the second largest worldwide, situated in the Third World. You are the Chief Executive Officer and the majority shareholder of this company. The fast technological improvements have raised worries among environmental activists, regulatory authorities, and the general public over the sustainability of this scenario. You confront substantial issues about the business's environmental footprint. In 2023, your organization had a significant increase of 48% in greenhouse gas emissions compared to the levels recorded in 2019. The significant rise in energy consumption is mainly due to the surging energy requirements of your data centers, fuelled by the exponential expansion of Artificial Intelligence (AI). AI-powered services need much more computational resources and electrical energy compared to conventional online activities, notwithstanding their notable gains. The technology's proliferation has led to a growing concern over the environmental repercussions, resulting in an increase in warnings. AI models, especially those used in extensive machine learning and data processing, exhibit much greater energy consumption than conventional computer tasks, with an exponential increase.

Although there is already a commitment and goal to achieve net zero emissions by 2030, the challenge of lowering emissions seems overwhelming as the integration of AI continues to increase. To achieve this goal, substantial investments in renewable energy use would be necessary. The difficulty is exacerbated by the competitive environment of the technology sector, where rapid innovation is essential for preserving market standing and shareholders' worth. To achieve a balance between innovation, profitability and sustainability, a strategic move is necessary that is in line with both, business objectives and ethical obligations.

(a) What is your immediate response to the challenges posed in the above case ?

(b) Discuss the ethical issues involved in the above case.

(c) Your company has been identified to be penalized by technological giants. What logical and ethical arguments will you put forth to convince about its necessity ?

(d) Being a conscience being, what measures would you adopt to maintain balance between AI innovation and environmental footprint ? *20*

(Answer in 250 words)

Q8. रमण एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं और हाल ही में उन्हें एक राज्य के डीजी के रूप में नियुक्त किया गया है। जिन विभिन्न मुद्दों और समस्याओं/चुनौतियों पर उन्हें तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता थी, उनमें एक अज्ञात आतंकवादी समूह द्वारा बेरोजगार युवकों की भर्ती से संबंधित मुद्दा गंभीर चिंता का विषय था।

यह पाया गया कि राज्य में बेरोजगारी अपेक्षाकृत अधिक थी। स्नातक और उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों के बीच बेरोजगारी की समस्या और भी गंभीर थी। इसलिए वे कमजोर और आसान लक्ष्य थे।

डीआईजी रेंज और उसके ऊपर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उनकी समीक्षा बैठक में यह बात सामने आई कि वैश्विक स्तर पर एक नया आतंकवादी समूह उभरा है। इसने युवा बेरोजगार लोगों की भर्ती के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। किसी विशिष्ट समुदाय से युवाओं को चुनने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा था। उक्त संगठन का स्पष्ट उद्देश्य आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उनका उपयोग करना था। यह भी पता चला कि उक्त (नया) समूह उनके राज्य में अपना जाल फैलाने की पूरी कोशिश कर रहा है।

राज्य सीआईडी और साइबर सेल को एक निश्चित/विश्वसनीय खुफिया सूचना मिली थी कि बड़ी संख्या में ऐसे बेरोजगार युवाओं से सोशल मीडिया और स्थानीय सांप्रदायिक संगठनों तथा अन्य संपर्कों के माध्यम से आतंकवादी संगठन/समूह ने संपर्क किया है। समय की माँग है कि तेजी से कार्यवाही की जाए और इन तत्त्वों/योजनाओं को गंभीर रूप लेने से पहले ही रोक दिया जाए।

साइबर सेल के माध्यम से पुलिस द्वारा की गई जाँच से पता चला कि बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर बहुत सक्रिय हैं। उनमें से कई औसतन हर दिन 6 – 8 घंटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस/इंटरनेट, आदि का उपयोग करते हुए बिता रहे थे। ये भी पता चला कि ऐसे बेरोजगार युवा उस वैश्विक आतंकवादी समूह के खास व्यक्तियों (उनके संपर्क वाले) से प्राप्त संदेशों का समर्थन और सहानुभूति दिखा रहे थे। उनके सोशल मीडिया अकाउंट से पता चला कि ऐसे समूहों के साथ उनका गहरा जुड़ाव है, यहाँ तक कि उनमें से कई ने अपने वॉट्सएप और फेसबुक, आदि पर राष्ट्र-विरोधी ट्वीट फॉर्वर्ड करना शुरू कर दिया है। ऐसा लग रहा था कि वे उनकी चाल में फँस गए और अलगाववादी विचारधारा का प्रचार करने लगे हैं। उनके पोस्ट सरकार की पहलों, नीतियों की अति आलोचना करने वाली थे और अतिवादी मान्यताओं को मानने वाले और उग्रवाद को बढ़ावा देने वाली थे।

(a) उपर्युक्त स्थिति से निपटने के लिए रमण के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं ?

(b) आप मौजूदा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए क्या उपाय सुझाएँगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसे समूह राज्य में घुसपैठ करने और माहौल खराब करने में सफल न हो सकें ?

(c) उपर्युक्त परिदृश्य में, पुलिस बल की खुफिया जानकारी एकत्र करने की प्रणाली को बढ़ाने के लिए आप क्या कार्य योजना सुझाएँगे ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Raman is a senior IPS officer and has recently been posted as D.G. of a state. Among the various issues and problems/challenges which needed his immediate attention, the issue relating to recruitment of unemployed youth by an unknown terrorist group, was a matter of grave concern.

It was noted that unemployment was relatively high in the state. The problem of unemployment amongst graduates and those with higher education was much more grave. Thus they were vulnerable and soft targets.

In the review meeting taken by him with senior officers of DIG Range and above, it came to light that a new terrorist group has emerged at the global level. It has launched a massive drive to recruit young unemployed people. Special focus was to pick young people from a particular community. The said organisation seemed to have the clear objective of utilising/using them for carrying out militant activities. It was also gathered that the said (new) group is desperately trying to spread its tentacles in his state.

A definite/reliable intelligence tip was received by the State CID and Cyber Cell that a large number of such unemployed youth have already been contacted by the terrorist outfit/group through social media and local communal organisations and other contacts. The need of the hour was to act swiftly and to check these elements/designs before they assume serious proportions.

Discrete inquiries made by the police, through the Cyber Cell, revealed that good numbers of unemployed youth are very active on Facebook, Instagram and Twitter. On an average, many of them were spending 6 – 8 hours each day, using electronic devices/internet, etc. It also came to light that such unemployed youth were showing sympathy and endorsing the messages received from certain persons, allegedly the contact persons of that global terrorist group. Their social media accounts revealed their strong affinity to such groups inasmuch as many of them started forwarding anti-national tweets on their WhatsApp and Facebook, etc. It seemed that they succumbed to their ploy and started propagating secessionist ideology. Their posts were hyper-critical of the government's initiatives, policies and subscribing to extreme beliefs and promoting extremism.

(a) What are the options available to Raman to tackle the above situation ?

(b) What measures would you suggest for strengthening the existing set-up to ensure that such groups do not succeed in penetrating and vitiating the atmosphere in the state ?

(c) In the above scenario, what action plan would you advise for enhancing the intelligence gathering mechanism of the police force ? 20

(Answer in 250 words)

WRAP Exams

Q9. पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से, केन्द्र और राज्य सरकारों की बहुआयामी रणनीति के चलते देश के प्रभावित राज्यों में नक्सली समस्या का काफी हद तक निराकरण हुआ है। हालाँकि, कुछ राज्यों में कई इलाके ऐसे हैं जहाँ नक्सली समस्या अभी भी मुख्य रूप से विदेशी देशों की दखलअंदाजी के कारण बनी हुई है। रोहित पिछले एक साल से किसी जिले में एसपी (स्पेशल ऑपरेशन) के पद पर तैनात हैं, जो अभी भी नक्सली समस्या से प्रभावित है। जिला प्रशासन ने लोगों का दिल और दिमाग जीतने के लिए हाल के दिनों में नक्सल प्रभावित इलाकों में कई विकासमूलक कार्य अपनाए हैं। पिछले कुछ समय से, रोहित ने नक्सली कैडर की गतिविधियों के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने के लिए एक उत्कृष्ट खुफिया नेटवर्क स्थापित किया है। जनता में विश्वास जगाने और नक्सलियों पर नैतिक प्रभुत्व जताने के लिए पुलिस द्वारा कई जगह घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। रोहित स्वयं एक टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे थे। उन्हें अपने खुफिया सूत्र के माध्यम से संदेश मिला कि लगभग दस कट्टर नक्सली अत्याधुनिक हथियारों के साथ विशेष गाँव में छिपे हुए थे। बिना कोई समय गँवाए, रोहित ने अपनी टीम के साथ उस खास गाँव में पहुँच कर पूर्ण सुरक्षा का घेरा बनाया तथा व्यवस्थित तलाशी लेना शुरू कर दिया। तलाशी के दौरान, उनकी टीम सभी नक्सलियों पर स्वचालित हथियारों के साथ काबू पाने में कामयाब रही। हालाँकि, इस बीच पाँच सौ से अधिक आदिवासी महिलाओं ने गाँव को घेर लिया और लक्ष्य घर की ओर मार्च करना शुरू कर दिया। वे चिल्ला रही थीं और उपद्रवियों की तत्काल रिहाई की माँग कर रही थीं क्योंकि वे उनके संरक्षक और उद्धारक हैं। जमीनी हालात बहुत गंभीर होते जा रहे थे क्योंकि आदिवासी महिलाएँ अत्यंत उत्तेजित और आक्रामक थीं। रोहित ने अपने उच्च अधिकारी, राज्य के आईजी (स्पेशल ऑपरेशन्स) से रेडियो सेट और मोबाइल फोन से संपर्क स्थापित करना चाहा, लेकिन कमजोर कनेक्टिविटी के कारण वैसा कर पाने में वे असफल रहे। रोहित की बड़ी दुविधा थी कि पकड़े गए नक्सलियों में दो न केवल चोटी के कट्टर उग्रपंथी थे, जिनके सिर पर दस लाख रुपयों का इनाम था, बल्कि वे हाल ही में सुरक्षा बलों पर घात लगाकर किए गए हमले में भी शामिल थे। हालाँकि, अगर नक्सलियों को नहीं छोड़ा गया तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती थी। यह इसलिए कि आदिवासी महिलाएँ आक्रामक रूप से उनकी ओर बढ़ रही थीं। उस स्थिति में, हालात को नियंत्रित करने के लिए रोहित को गोलीबारी का सहारा लेना पड़ सकता है, जिससे नागरिकों की बेशक़ीमती जान जा सकती है एवं स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी।

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए रोहित के पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं ?

(b) रोहित को किन नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है ?

(c) आपके अनुसार रोहित के लिए कौन-सा विकल्प अपनाना अधिक उपयुक्त होगा और क्यों ?

(d) मौजूदा स्थिति में, महिला प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस द्वारा क्या अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

With multipronged strategy of the Central and State Governments specially in the last few years, the naxalite problem has been resolved to a large extent in the affected states of the country. However, there are a few pockets in certain states where naxalite problem still persists, mainly due to involvement of foreign countries. Rohit is posted as SP (Special Operations) for the last one year, in one of the districts which is still affected by the naxalite problem. The district administration has taken a lot of developmental works in the recent past in the naxalite affected areas to win the hearts and minds of the people. Over a period of time, Rohit has established an excellent intelligence network to get the real time information regarding the movement of naxalite cadre. To instill confidence in the public and have moral ascendancy over the naxalites, a number of cordons and search operations are being conducted by the police. Rohit, who himself was leading one of the contingents got a message though his intelligence source that about ten hard core naxalites were hiding in a particular village with sophisticated weapons. Without wasting any time, Rohit reached the target village with his team and laid out a foolproof cordon and started carrying out a systematic search. During the search, his team managed to overpower all the naxalites along with their automatic weapons. However, in the meantime, more than five hundred tribal women surrounded the village and started marching towards the target house. They were shouting and demanding the immediate release of insurgents since they are their protectors and saviours. The situation on the ground was becoming very critical as the tribal women were extremely agitated and aggressive. Rohit tried to contact his superior officer, IG (Special Operations) of the state on the radio set and on mobile phone, but failed to do so due to poor connectivity. Rohit was in great dilemma since out of the naxalites apprehended, two were not only hard core top insurgents with prize money of ₹ ten lakhs on their heads, but were also involved in a recent ambush on the security forces. However, if he did not release the naxalites, the situation could get out of control since the tribal women were aggressively charging towards them. In that case, to control the situation Rohit might have to resort to firing which may lead to valuable loss of lives of civilians and would further complicate the situation.

(a) What are the options available with Rohit to cope with the situation ?

(b) What are the ethical dilemmas being faced by Rohit ?

(c) Which of the options, do you think, would be more appropriate for Rohit to adopt and why ?

(d) In the present situation, what are the extra precautionary measures to be taken by the police in dealing with women protesters ? *20*

(Answer in 250 words)

Q10. स्नेहा एक वरिष्ठ प्रबंधक हैं जो एक मध्यम आकार वाले शहर में एक बड़ी प्रतिष्ठित अस्पताल श्रृंखला के लिए काम करती हैं। उन्हें एक नए सुपर स्पेशियलिटी सेंटर का प्रभारी बनाया गया है जिसे अस्पताल अत्याधुनिक उपकरणों और विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं के साथ बना रहा है। भवन का पुनर्निर्माण किया गया है और वह विभिन्न उपकरणों और मशीनों की खरीद की प्रक्रिया शुरू कर रही हैं। खरीद के लिए ज़िम्मेदार समिति के प्रमुख के रूप में उन्होंने चिकित्सा उपकरणों का कारोबार करने वाले सभी प्रतिष्ठित इच्छुक विक्रेताओं से बोलियाँ आमंत्रित की हैं। उन्होंने देखा कि उनका भाई, जो इस क्षेत्र में एक प्रसिद्ध आपूर्तिकर्ता है, ने भी अपनी रुचि व्यक्त की है। चूँकि अस्पताल निजी स्वामित्व में है, इसलिए उनके लिए केवल कम बोली लगाने वाले को चुनना अनिवार्य नहीं है। इसके अलावा उन्हें ज्ञात है कि उनके भाई की कंपनी कुछ वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रही है और बड़ी आपूर्ति का एक आदेश उसे उबारने में सहायता करेगा। साथ ही उनके भाई को अनुबंध आबंटित करना, उनके खिलाफ पक्षपात का आरोप हो सकता है और उनकी छवि खराब कर सकता है। अस्पताल प्रबंधन उन पर पूरा भरोसा करता है और उनके किसी भी फैसले का समर्थन करेगा।

(a) स्नेहा को क्या करना चाहिए ?

(b) वह जो करना चाहती हैं उसे कैसे उचित सिद्ध करेंगी ?

(c) इस मामले में, चिकित्सा नैतिकता कैसे निहित व्यक्तिगत हित से युक्त है ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Sneha is a Senior Manager working for a big reputed hospital chain in a mid-sized city. She has been made in-charge of the new super speciality center that the hospital is building with state-of-the art equipment and world class medical facilities. The building has been reconstructed and she is starting the process of procurement for various equipment and machines. As the head of the committee responsible for procurement, she has invited bids from all the interested reputed vendors dealing in medical equipment. She notices that her brother, who is a well-known supplier in this domain, has also sent his expression of interest. Since the hospital is privately owned, it is not mandatory for her to select only the lower bidder. Also, she is aware that her brother's company has been facing some financial difficulties and a big supply order will help him recover. At the same time, allocating the contract to her brother might bring charges of favouritism against her and tarnish her image. The hospital management trusts her fully and would support any decision of hers.

(a) What should be Sneha's course of action ?

(b) How would she justify what she chooses to do ?

(c) In this case, how is medical ethics compromised with vested personal interest ? 20

(Answer in 250 words)

Q11. इस वर्ष असाधारण रूप से भीषण गर्मी होने के कारण, जिले को पानी की घोर कमी का सामना करना पड़ रहा है। जिला कलेक्टर जिले को गंभीर पेयजल संकट से उबारने हेतु शेष जल भंडार को संरक्षित करने के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को सक्रिय कर रहे हैं। जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान के साथ-साथ भू-जल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। गाँवों का दौरा करने हेतु सतर्कता दल तैनात किए गए हैं। सिंचाई के लिए गहरे बोरवेल अथवा नदी जलाशय से पानी खींचने वाले किसानों की शिनाख्त की जा रही है। ऐसी कार्रवाई से किसान आक्रोश में आ जाते हैं। किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल अपने मुद्दों को लेकर जिला कलेक्टर से मिलता है और शिकायत करता है कि जहाँ उन्हें अपनी फसल की सिंचाई की अनुमति नहीं दी जा रही है, वहीं नदी के पास स्थित बड़े उद्योग अपनी औद्योगिक प्रक्रियाओं के लिए गहरे बोरवेल के माध्यम से भारी मात्रा में पानी खींच रहे हैं। किसानों का आरोप है कि उनका प्रशासन किसान विरोधी और भ्रष्ट है, जिसे उद्योग द्वारा रिश्वत दी जा रही है। जिलों को, किसानों को शांत करने की ज़रूरत है क्योंकि वे लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दे रहे हैं। वहीं जिला कलेक्टर को जल संकट से निपटना भी होगा। उद्योग को बंद नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे बड़ी संख्या में श्रमिक बेरोजगार हो जाएँगे।

(a) एक जिला मजिस्ट्रेट के रूप में जिला कलेक्टर के लिए उपलब्ध सभी विकल्पों पर चर्चा कीजिए।

(b) हितधारकों के परस्पर अनुकूल हितों को ध्यान में रखते हुए कौन-सी उचित कार्रवाइयाँ की जा सकती हैं ?

(c) जिला कलेक्टर के लिए संभावित प्रशासनिक और नैतिक दुविधाएँ क्या हैं ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

With the summer heat being exceptionally severe this year, the district has been facing severe water shortage. The District Collector has been mobilizing his subordinate officials to conserve the remaining water reserves for preventing the district from plunging into acute drinking water crisis. Along with an awareness campaign for conserving water, strict measures have been taken for stopping the over-exploitation of ground-water. Vigilance teams have been deployed to tour the villages and find the farmers who are drawing water from deep borewells or from the river reservoir for irrigation. The farmers are agitated by such action. A delegation of farmers meets the District Collector with their issues and complains that while they are not being allowed to irrigate their crops, big industries located near the river are drawing huge amounts of water through deep borewells for their industrial processes. The

farmers allege that their administration is anti-farmer and corrupt, being bribed by the industry. The district needs to placate the farmers as they are threatening to go on a prolonged protest. At the same time, the District Collector has to deal with the water crisis. The industry cannot be closed as this would result in a large number of workers being unemployed.

(a) Discuss all options available to the District Collector as a District Magistrate.

(b) What suitable actions can be taken in view of mutually compatible interests of the stakeholders ?

(c) What are the potential administrative and ethical dilemmas for the District Collector ? 20

(Answer in 250 words)

Q12. डॉ. श्रीनिवासन एक प्रतिष्ठित जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी में कार्यरत एक वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं। यह कंपनी फार्मास्युटिकल में अपने अत्याधुनिक शोध के लिए जानी जाती है। डॉ. श्रीनिवासन किसी नई दवा पर काम करने वाली एक शोध टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य एक नए वाइरस (विषाणु) से तेजी से फैलने वाले संक्रमित रोग का इलाज करना है। यह बीमारी दुनिया भर में तेजी से फैल रही है और देश में इसके मामलों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। डॉ. श्रीनिवासन की टीम पर इस दवा के ट्रायल में तेजी लाने का बहुत दबाव है क्योंकि इसके लिए बाज़ार में काफी माँग है और कंपनी बाज़ार में पहला कदम रखने का फायदा उठाना चाहती है। टीम मीटिंग के दौरान, टीम के कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने दवा के क्लिनिकल (नैदानिक) परीक्षणों में तेजी लाने और अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने के लिए कुछ शॉर्टकट सुझाए। इनमें कुछ नकारात्मक परिणामों को बाहर करने के लिए डेटा में हेरफेर करना और चुनिंदा रूप में सकारात्मक परिणामों की रिपोर्ट करना, सूचित सहमति की प्रक्रिया को छोड़ देना और स्वयं का घटक विकसित करने के बजाए, प्रतिद्वंद्वी कंपनी द्वारा पहले से पेटेंट किए गए यौगिकों का उपयोग करना शामिल हैं। डॉ. श्रीनिवासन ऐसे शॉर्टकट लेने में सहज नहीं हैं, साथ ही उन्हें यह भी पता चला है कि इन तरीकों का उपयोग किए बिना लक्ष्यों को पूरा करना असंभव है।

(a) ऐसी स्थिति में आप क्या करेंगे ?

(b) इसमें शामिल नैतिक प्रश्नों के प्रकाश में अपने विकल्पों और परिणामों का परीक्षण कीजिए।

(c) ऐसे परिदृश्य में, डेटा नैतिकता और औषधि नैतिकता किस प्रकार बड़े पैमाने पर मानवता को बचा सकती हैं ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Dr. Srinivasan is a senior scientist working for a reputed biotechnology company known for its cutting-edge research in pharmaceuticals. Dr. Srinivasan is heading a research team working on a new drug aimed at treating a rapidly spreading variant of a new viral infectious disease. The disease has been rapidly spreading across the world and the cases reported in the country are increasing. There is huge pressure on Dr. Srinivasan's team to expedite the trials for the drug as there is significant market for it, and the company wants to get the first-mover advantage in the market. During a team meeting, some senior team members suggest some shortcut for expediting the clinical trials for the drug and for getting the requisite approvals. These include manipulating data to exclude some negative outcomes and selectively reporting positive results, foregoing the process of informed consent and using compounds already patented by a rival company, rather than developing one's own component. Dr. Srinivasan is not comfortable taking such shortcuts, at the same time he realises meeting the targets is impossible without using these means.

(a) What would you do in such a situation ?

(b) Examine your options and consequences in the light of the ethical questions involved.

(c) How can data ethics and drug ethics save humanity at large in such a scenario ? *20*

(Answer in 250 words)

WRAP Exams

WRAP Exams